क्षमता निर्माण के माध्यम से पुरुलिया के आदिवासी मत्स्य किसानों का सामाजिक-आर्थिक उत्थान –दिनांक 3-5 अक्टूबर, 2024, पुरुलिया,पश्चिम बंगाल

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान कोलकाता केंद्र ने 3-5 अक्टूबर, 2024 के दौरान पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के मनबाजार-II, पुंचा और बड़ाबाजार ब्लॉक के 20 आदिवासी मत्स्य किसानों के लिए टीएसपी योजना के तहत 'मीठे पानी की जलीय कृषि के आधुनिक तरीकों' पर तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक विकास कार्यालय, बड़ाबाजार, पुरुलिया में किया गया।

यह प्रशिक्षण जिला परियोजना प्रबंधन इकाई, पश्चिम बंगाल त्वरित लघु सिंचाई परियोजना विकास, पुरुलिया के तकनीकी और रसद समर्थन के साथ आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम से चौदह महिला और 6 पुरुष मछुआरे लाभान्वित हुए। किसानों को वैज्ञानिक मछली पालन के निम्नलिखित पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया जैसे तालाब की तैयारी और प्रबंधन, समग्र मछली पालन, चारा और चारा प्रबंधन, तिलापिया संस्कृति, जलीय कृषि में मिट्टी और पानी की गुणवत्ता मापदंडों का प्रबंधन, एकीकृत मछली पालन आदि ताकि ग्रामीण मछुआरे अपने जलाशय से अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें और अपनी आजीविका में सुधार कर सकें। स्थानीय रूप से उपलब्ध फ़ीड सामग्री का उपयोग करके खेत में बने फ़ीड तैयार करने का प्रशिक्षण किसानों को दिया गया। इसके अलावा सीआईएफई जलीय कृषि परीक्षण किट का उपयोग करके किसानों को पीएच, घुलित ऑक्सीजन, अमोनिया आदि जैसे जल गुणवत्ता मापदंडों का व्यावहारिक प्रदर्शन दिया गया। किसान अत्यधिक संतुष्ट थे और प्रशिक्षण के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण में सिखाई गई वैज्ञानिक मछली पालन प्रथाओं को अपनाकर, वे आसानी से धान की खेती से अधिक पैसा कमा सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में किसानों के बीच प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, मैनुअल, सीआईएफई पीएच और घुलित ऑक्सीजन किट, कार्प फिंगरलिंग वितरित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर-सीआईएफई मुंबई के निदेशक और कुलपति डॉ. सी.एन. रविशंकर और कोलकाता के केंद्र प्रमुख और प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टी.के. घोषाल के निर्देश पर किया गया।

(स्रोत: आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई)